SET-3

Series BVM/4

कोड नं.
Code No. **29/4/3**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

downloaded from StudentSuvidha.com

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *11*

पड़ोस सामाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्त्वपूर्ण आधार है । दरअसल पड़ोस हमारी सामाजिक सुरक्षा के लिए जितना स्वाभाविक है, सामाजिक जीवन की समस्त आनन्दपूर्ण गतिविधियों के लिए वह उतना ही आवश्यक भी है । यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ न कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है । हमारा पड़ोसी अमीर हो या ग़रीब, उसके साथ संबंध रखना सदैव हमारे हित में ही होता है । पड़ोसी से परहेज़ करना अथवा उससे कटे-कटे रहने में अपनी ही हानि है, क्योंकि किसी भी आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय अपने रिश्तेदारों अथवा परिवार वालों को बुलाने में समय लगता है । यदि मोबाइल की सुविधा भी है तो भी कोई निश्चय नहीं कि उनसे सहायता मिल ही जाएगी । ऐसे में पड़ोसी ही सबसे विश्वस्त सहायक हो सकता है । पड़ोसी चाहे कैसा भी हो, उससे अच्छे संबंध रखने ही चाहिए । जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं रखता, उससे सहानुभूति नहीं रख सकता, उसके साथ सुख-दुख का आदान-प्रदान नहीं कर सकता तथा उसके शोक और आनंद के क्षणों में शामिल नहीं हो सकता, वह अपने समाज अथवा देश के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ ही कैसे पाएगा । विश्व-बंधुत्व की बात भी तभी मायने रखती है, जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें ।

प्राय: जब भी पड़ोसी से खट-पट होती है तो इसलिए कि हम पड़ोसी के व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक जीवन में आवश्यकता से अधिक हस्तक्षेप करने लगते हैं । हम भूल जाते हैं कि किसी को भी अपने व्यक्तिगत जीवन में किसी की रोकटोक या हस्तक्षेप अच्छा नहीं लगता । पड़ोसी के साथ कभी-कभी तब ये विरोध पैदा हो जाते हैं जब हम उससे आवश्यकता से अधिक अपेक्षा करने लगते हैं । बात नमक के लेन-देन से आरम्भ होती है और हम स्कूटर या कार माँगने तक पहुँच जाते हैं । पड़ोसियों से निबाह करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण यह है कि बच्चों को नियंत्रण में रखें । आमतौर से बच्चों में जाने-अनजाने छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होते हैं और बात बड़ों के बीच सिर-फोड़ने तक पहुँच जाती है ।

(क) पड़ोस का सामाजिक जीवन में क्या महत्त्व है ? कैसे कह सकते हैं कि पड़ोसी के साथ सामंजस्य बिठाना हमारे हित में है ? *2*

(ख) "वह अपने समाज अथवा देश के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ ही कैसे पाएगा" उपर्युक्त पंक्ति का भाव अपने शब्दों में लिखिए । *2*

(ग) पड़ोसी से संबंधों में कड़वाहट न आने देने के लिए क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए ? *2*

(घ) पड़ोसी से खट-पट के क्या कारण हो सकते हैं ? *2*

(ङ) पड़ोसी से खट-पट रोकने के कौन-से उपाय लेखक ने सुझाए हैं ? *2*

(च) गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

नवीन कंठ दो कि मैं नवीन गान गा सकूँ
स्वतंत्र देश की नवीन आरती सजा सकूँ !
नवीन दृष्टि का नया विधान आज हो रहा,
नवीन आसमान में विहान आज हो रहा,
खुली दसों दिशा खुले कपाट ज्योति-द्वार के –
विमुक्त राष्ट्र-सूर्य आज भासमान हो रहा ।
युगांत की व्यथा लिए अतीत आज रो रहा,
दिगंत में वसंत का भविष्य बीज बो रहा,
सुदीर्घ क्रान्ति झेल, खेल की ज्वलंत आग से –
स्वदेश बल सँजो रहा, कड़ी थकान खो रहा ।
प्रबुद्ध राष्ट्र की नवीन वंदना सुना सकूँ,
नवीन बीन दो कि मैं नवीन गान गा सकूँ ।
नए समाज के लिए नवीन नींव पड़ चुकी,
नए मकान के लिए नवीन ईंट गढ़ चुकी,
सभी कुटुंब एक, कौन पास, कौन दूर है –
नए समाज का हरेक व्यक्ति एक नूर है ।
कुलीन का उसे नहीं गुमान या गरूर है,
समर्थ शक्तिपूर्ण जो किसान या मजूर है ।

(क) कवि नई आवाज़ की आवश्यकता क्यों महसूस कर रहा है ?

(ख) 'नए समाज का हरेक व्यक्ति एक नूर है' – भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ग) कवि मनुष्य को क्या परामर्श देता है ?

(घ) कवि किस नवीनता की कामना करता है ?

(ङ) किसान को किस बात की चिंता नहीं है ? क्यों ?

अथवा

धर्म का दीवट, दया का दीप,
कब जलेगा, कब जलेगा विश्व में भगवान ?
कब सुकोमल ज्योति से अभिषिक्त,
हा सरस होंगे, जली सूखी रसा के प्राण ।
है बहुत बरसी धरित्री पर अमृत की धार,

StudentSuvidha.com
downloaded from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

पर नहीं अब तक सुशीतल हो सका संसार ।
भोग लिप्सा आज भी लहरा रही उद्दाम
बुद्ध हों कि अशोक, गांधी हो कि ईसु महान ।
सिर झुका सबको, सभी को श्रेष्ठ निज से मान,
मात्र वाचिक हो उन्हें देता हुआ सम्मान ।
दग्ध कर पर को स्वयं, भी भोगता दुख-दाह,
जा रहा मानव चला अब भी पुरानी राह ।

(क) धर्म के दीवट पर दया के दीप की कामना क्यों की गई है ?

(ख) कैसे कह सकते हैं कि मानव आज भी पुरानी राह चल रहा है ?

(ग) पृथ्वी पर अमृत की वर्षा होते हुए भी शांति क्यों नहीं आ सकी ?

(घ) कवि ने लोगों के साथ किस प्रकार का व्यवहार करने को कहा है ?

(ङ) काव्यांश का केंद्रीय भाव लिखिए ।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए : *8*

(क) बढ़ती जनसंख्या की समस्या

(ख) भारतीय समाज में नारी

(ग) हिंदी हैं हम ...

(घ) मेरा जीवन स्वप्न

4. कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से उनके लिए विशेष परिवहन व्यवस्था करने हेतु निवेदन करते हुए परिवहन निदेशालय को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

रेल यात्रा के दौरान आपने अनुभव किया कि साधारण श्रेणी के यात्रियों को मिलने वाली खान-पान की सामग्री संतोषजनक नहीं होती । इस समस्या पर ध्यान आकर्षित करते हुए अधीक्षक, खान-पान विभाग, रेल भवन, नई दिल्ली को पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) जनसंचार के प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) रेडियो और टी.वी. माध्यमों के दो प्रमुख अंतर लिखिए ।

(ग) 'स्टिंग ऑपरेशन' का तात्पर्य समझाइए ।

(घ) प्रिंट मीडिया को जनसंचार माध्यमों की सबसे मजबूत कड़ी क्यों माना जाता है ?

(ङ) दृश्य माध्यमों की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com
StudentSuvidha.com downloaded from

6. 'फुटपाथ पर सोते लोग' विषय पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए । *3*

अथवा

'बिन पटाख़े दीपावली का आनंद' विषय पर एक आलेख लिखिए ।

खण्ड ग

7. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

दुख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हो भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण !

अथवा

पूरन प्रेम को मंत्र महा पन जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ ।
ताही के चारु चरित्र विचित्रनि यों पचिकै रचि राखि बिसेख्यौ ।
ऐसो हियो हितपत्र पवित्र जो आन-कथा न कहूँ अवरेख्यौ ।
सो घनआनँद जान अजान लौं टूक कियो पर बाँचि न देख्यौ ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2+2=4*

(क) 'देवसेना के गीत' के आधार पर देवसेना की वेदना का कारण समझाइए ।

(ख) निराला ने 'सरोज स्मृति' में स्वयं को भाग्यहीन क्यों कहा है ?

(ग) 'एक कम' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए ।

(घ) विद्यापति के पदों के आधार पर विरहिणी की मनोदशा का चित्रण कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** के काव्य-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए : *3×2=6*

(क) कभी दिखता है सत्य
और कभी ओझल हो जाता है
और हम कहते रह जाते हैं कि रुको हम यह हैं
जैसे धर्मराज के बार-बार दुहाई देने पर
कि ठहरिए स्वामी विदुर
यह मैं हूँ आपका सेवक कुंतीनंदन युधिष्ठिर
वे नहीं ठिठकते ।

StudentSuvidha.com
downloaded from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(ख) कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो –
खिली हुई हवा आई, फिरकी-सी आई, चली गई ।

(ग) लागेउ माँह परै अब पाला । बिरहा काल भएउ जड़काल ।।
पहल पहल तन रुई जो झाँपै । हहलि-हहाले अधिकौ हिय काँपै ।।

(घ) बहुत दिनान को अवधि आसपास परे,
खरे अर बरनि भरे हैं उठि जान को ।
कहि कहि आवन छबीले मनभावन को,
गहि-गहि राखति ही दै दै सनमान को ।।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *5*

बलिहारी है इस मादक शोभा की चारों ओर कुपित यमराज के दारुण नि:श्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है । और मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है । कितनी कठिन जीवनी-शक्ति है । प्राण ही प्राण को पुलकित करता है, जीवनी-शक्ति ही जीवनी-शक्ति को प्रेरणा देती है ।

अथवा

मैं संग्रहकर्ता हूँ, आशिक नहीं । यही अंतर मुझमें और भाई कृष्णदास में है । वे संग्रहकर्ता भी हैं और आशिक भी । संग्रह कर लेने और उसे प्रयाग संग्रहालय में डाल लेने के बाद मेरा सुख समाप्त हो जाता है । भाई कृष्णदास संग्रह करने के बाद भी चीज़ों को बार-बार हर पहलू से देखकर उसके सुख-सागर में डूबते-उतरते रहते हैं । यदि संग्रहकर्ता आशिक भी हुआ तो भगवान ही उसकी रक्षा करें ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3×2=6*

(क) ‘कच्चा चिट्ठा’ के आधार पर प्रयाग संग्रहालय के लिए लेखक के योगदान पर टिप्पणी लिखिए ।

(ख) संवदिया के रूप में हरगोबिन की भूमिका पर अपने विचार लिखिए ।

(ग) असगर वजाहत की लघुकथा ‘शेर’ में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

(घ) यास्सेर अराफ़ात के आतिथ्य प्रेम के बारे में भीष्म साहनी के विचार संक्षेप में लिखिए ।

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

12. भीष्म साहनी अथवा असगर वजाहत का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । *5*

अथवा

रघुवीर सहाय अथवा तुलसीदास का जीवन-परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

13. "चूल्हा ठंडा किया होता, तो दुश्मनों का कलेजा ठंडा कैसे होता ?" इस कथन के आधार पर सूरदास की मन:स्थिति का वर्णन कीजिए । *4*

अथवा

"बच्चे का अपनी माँ का दूध पीना सिर्फ दूध पीना नहीं, माँ से बच्चे के सारे संबंधों का जीवन-चरित होता है" – कथन का आशय स्पष्ट करते हुए इसके आलोक में माँ और बच्चे के संबंधों पर टिप्पणी कीजिए ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×2=8*

(क) माही से हिमांग तक दो युवा पर्वतारोही शेखर और रूपसिंह किस प्रकार भूपदादा के साथ उनके घर पहुँचे ? विवरण लिखिए ।

(ख) अब मालवा में वैसा पानी क्यों नहीं गिरता ? अपने विचार लिखिए ।

(ग) सूरदास किसकी ईर्ष्या का शिकार हुआ था ? ईर्ष्या का कारण क्या था ? कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'बिस्कोहर की माटी' के आधार पर भारतीय गाँवों के जनजीवन पर टिप्पणी कीजिए ।

StudentSuvidha.com
downloaded from

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com